सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 41 | जौनपुर, शुक्रवार, 27 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली में न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बृहस्पतिवार को हल्की बारिश होने और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग ने राजधानी में दिन में बादल छाए रहने, बहुत हल्की बारिश होने, गरज के साथ छींटे पड़ने तथा तेज हवाओं के साथ आंधी आने की संभावना जताई है। उसने बताया कि दिल्ली में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में सुबह 8.30 बजे आर्द्रता का स्तर 85 प्रतिशत दर्ज किया गया।

### सोरेन ने पीएम को पत्र लिखकर कोयला बकाये का मुद्दा उठाया

झारखंड, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि खनन बकाए पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बावजूद कोयला कंपनियों ने 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया नहीं चुकाया है, जिसके कारण राज्य और उसके लोगों को ''अपूरणीय क्षति'' हो रही है। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के भंडार से कोल इंडिया के खाते से झारखंड राज्य को सीधे राशि हस्तांतरित करने की मांग की, जैसा कि झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड द्वारा डीवीसी को देय राशि के मामले में किया गया था। सोरेन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा, ''कानून में प्रावधान और न्यायिक फैसलों के बावजूद... कोयला कंपनियां कोई भुगतान नहीं कर रही हैं... ये सवाल आपके कार्यालय, वित्त मंत्रालय और नीति आयोग समेत कई मंचों पर उठाए गए हैं। लेकिन अभी तक इस बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है।

## दवाओं के नमूने जांच में नाकाम होने को लेकर सपा अध्यक्ष ने किया सरकार पर तंज

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश की शीर्ष औषधि विनियामक संस्था द्वारा गुणवत्ता जांच में 50 दवाओं के नमूने नाकाम होने को लेकर बृहस्पतिवार को केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तंज करते हुए पूछा कि इस जांच रिपोर्ट पर सरकार आखिर क्या कार्रवाई करेगी। यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा, जवाब दे आज की भ्रष्ट भाजपा सरकार, ऐसी दवा खाकर होगा इलाज या बीमार। जब तक भाजपा कंपनियों से बटोरती रहेगी चंदा, तब तक जारी रहेगा कम गुणवत्तावाली दवाइयों का धंधा। उन्होंने नहीं चाहिए भाजपा हैशटैग से किए गए इस पोस्ट में आगे कहा, इस रिपोर्ट के बाद भी कोई कार्रवाई होगी या चंदे का रेट बढ़ा कर मामला रफा–दफा कर दिया जाएगा? जनता की जान से खिलवाड़ करने का ये भाजपाई खेल अच्छा नहीं। निंदनीय! भारत की एक शीर्ष औषधि विनियामक संस्था ने करीब 50 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुकूल नहीं पाया है। इन दवाओं में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली पैरासिटामोल, पैंटोप्राजोल और जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए कुछ एंटीबायोटिक्स शामिल हैं।

## पीएम मोदी ने परम रुद्र सुपर कंप्यूटर राष्ट्र को किया समर्पित

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तीन परम रुद्र सुपर कंप्यूटर और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया में भारत के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि का दिन है। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी का भारत कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान को प्रथामिकता देते हुए आगे बढ़ रहा है। आज का भारत संभावनाओं के अंनत आकाश में नए अवसरों को तराश रहा है। मोदी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने 3 परम रुद्र सुपर कंप्यूटर बनाए हैं। ये 3 सुपर कंप्यूटर दिल्ली, पुणे और कोलकाता में इंस्टाल किए गए हैं। आज ही देश के लिए अर्का और आरुणिक नाम से 2 हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम का उद्घाटन भी किया गया है। आज जिन तीन सुपर कंप्यूटरों का रहस्य हुआ है...भौतिकी से लेकर पृथ्वी विज्ञान और ब्रह्मांड विज्ञान तक ये उन्नत अनुसंधान में मदद करेंगे। ये वो क्षेत्र हैं, जिनमें आज का विज्ञान और प्रौद्योगिकी जगत, भविष्य की दुनिया दिख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज डिजिटल क्रांति के इस दौर में कंप्यूटिंग क्षमता, राष्ट्रीय क्षमता का पर्याय बन रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जो सीधे तौर पर प्रौद्योगिकी

और कंप्यूटिंग क्षमता पर प्रतिबंध नहीं है! ये इंडस्ट्री 4.0 में भारत की सफलता का सबसे बड़ा आधार है।

भारत के घरेलू सुपरकंप्यूटर के लिए 5–पॉइंट

परम रुद्र में नवीनतम अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, इसके घटकों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भारत में निर्मित और असेंबल किया गया है। परम रुद्र बहुत तेज गति से जटिल गणनाओं और सिमुलेशन को संभालने में सक्षम है। ये घरेलू और विकसित सुपर कंप्यूटर भारत की तकनीकी प्रगति के प्रमुख उदाहरण हैं। परम रुद्र का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, जलवायु मॉडलिंग, दवा खोज, सामग्री विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए किया जाता है।

ये सुपर कंप्यूटर शोधकर्ताओं को चुनौतीपूर्ण समस्याओं से निपटने और महत्वपूर्ण खोजें करने के लिए आवश्यक कम्प्यूटेशनल उपकरण प्रदान करते हैं। अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के लिए इन सुपर कंप्यूटरों को पुणे, दिल्ली और कोलकाता में तैनात किया गया है।

## शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गयी है कांग्रेस - जेपी नड्डा

ओडिशा, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ओडिशा में सदस्यता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस को शहरी नक्सलवाद का प्रवक्ता करार दिया। नड्डा ने शुरूआत में कहा कि आप भाजपा के सदस्य बन रहे हैं, तो मैं कुछ बातें आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। ताकि आपको ये महसूस हो और विश्वास हो कि आप अगर भाजपा के सदस्य बन रहे हैं, तो आप सही काम कर रहे हैं और सही जगह जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में लंबे समय से हूं। इस देश में लगभग 5 हजार छोटी–बड़ी पार्टियां हैं और लगभग 50 के आसपास सक्रिय पार्टियाँ हैं। लेकिन भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो राष्ट्रीय पार्टी है, लोकतांत्रिक पार्टी है, विचार धारा पर आधारित पार्टी है, कैडर

आधारित पार्टी है। जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र राजनीतिक दल है जिसकी एक विचारधारा है। यह सबसे पारदर्शी, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील पार्टी है। हमारी पार्टी में हम जमीनी स्तर से आकर नेतृत्व करने वाले लोगों का सम्मान करते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं और भाई–भतीजावाद के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी हमारी सदस्यता चल रही है। इस सदस्यता के बाद सक्रिय सदस्य बनेंगे। फिर मंडल का चुनाव होगा, फिर जिले का चुनाव होगा, फिर राज्य का चुनाव होगा और राज्य में चुने गए लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेंगे। ये प्रक्रिया सिर्फ भाजपा में ही होता है। इसलिए हमारे यहां किसी नेता का बेटा नेता नहीं बनता, बल्कि जमीन से आया हुआ कार्यकर्ता ही नेता बनता है। विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शहरी नक्सलियों की प्रवक्ता बन गयी है। वह देश में विघटनकारी ताकतों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। लेकिन, जब से बीजेपी सत्ता में आई है, कांग्रेस जैसी पार्टियां बेचौन हो गई हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पिछली सदस्यता 18 करोड़ रही थी। हमारे यहां हर 6 साल के बाद चाहे कोई भी हो, प्रधानमंत्री जी से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष और साधारण कार्यकर्ता तक सब की सदस्यता समाप्त हो जाती है। और फिर से नया सदस्य बनना पड़ता है। इसलिए 2 सिंतबर को प्रधानमंत्री जी पहले सदस्य बनें, फिर मैं सदस्य बनाया, अमित शाह जी और रक्षा मंत्री जी सदस्य बनें।

## 'भ्रष्ट' मुख्यमंत्री झारखंड को विकास की ओर नहीं ले जा सकते – राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने धनबाद में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत 'भ्रष्ट' झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को विधानसभा चुनाव में झारखंड से बाहर होने से नहीं रोक सकती। जेएमएम का मतलब है जमकर मलाई मारो। झारखंड के सीएम तो 'बालू से भी तेल' निकालने में माहिर हैं। झारखंड के आदिवासी भाइयों एवं बहनों का गौरवशाली इतिहास रहा है। झारखंड के विकास में तीन 'स्पीड ब्रेकर' हैं। वैश्विक अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2027 तक अमेरिका, चीन के बाद भारत तीसरी शीर्ष अर्थव्यवस्था बन जायेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने के बाद खुद को शहीद

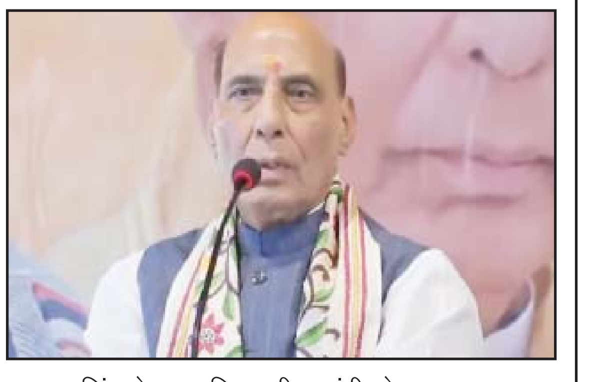

के तौर पर पेश कर रहे हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजीव गांधी के समय 100 रुपए अगर भेजे जाते थे तो आपके जेब में 15 रुपए पहुंचते थे। 85 रुपए भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जाता था लेकिन आज अगर 100 रुपए दिल्ली के बैंक से भेजे जाते हैं तो 100 का 100 रुपए आपके खाते में पहुंचते हैं। 'भ्रष्ट' मुख्यमंत्री झारखंड को विकास की ओर नहीं ले जा सकते। झारखंड के अभूतपूर्व विकास के लिए भाजपा को लगातार दो कार्यकाल दीजिए। बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को लेकर गोल्फ ग्राउंड में बारिश थमते ही समर्थक पहुंचने लगे। भारी बारिश के कारण लोग काफी देर तक परेशान रहे। बारिश रुकते ही मंच पर देशभक्ति गीत से माहौल राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो गया।

## मोदी जी बहुत ताकतवर, पर भगवान नहीं – केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अपने इस्तीफे के बाद पहली बार दिल्ली विधानसभा को संबोधित करते

हुए अपने विरोधियों पर कटाक्ष किया। इसके साथ ही उन्होंने जमानत के लिए भगवान का धन्यवाद भी किया। उन्होंने भाजपा पर तंज भरे लहजे में कहा कि विपक्ष में मेरे साथी मनीष सिसोदिया और मुझे यहां देखकर दुखी होंगे। उन्होंने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि पीएम मोदी बहुत शक्तिशाली हैं और उनके पास बहुत सारे संसाधन हैं लेकिन मोदी भगवान नहीं हैं लेकिन जो भगवान हैं वह हमारे साथ हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। केजरीवाल ने कहा कि आज मैं सीएम के साथ सड़क निरीक्षण के लिए गया था। मेरे जेल जाने से पहले दिल्ली विश्वविद्यालय की सड़कें बहुत अच्छी हुआ करती थीं और मैंने उनसे वहां की सड़कों की मरम्मत के लिए आदेश पारित करने के लिए कहा है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं तीन–चार दिन पहले एक भाजपा नेता से मिला था। मैंने उनसे पूछा कि क्या मुझे जेल भेजने से कोई फायदा हुआ तो उन्होंने कहा कि हमने पूरी दिल्ली सरकार को पटरी से उतार दिया। उन्होंने कहा कि मैं स्तब्ध रह गया कि देश की राजधानी के 2 करोड़ लोगों की जिंदगी खराब करके वे खुश हो रहे हैं... उनका मकसद था आम आदमी पार्टी की सरकार को बदनाम करना ताकि उनको वोट मिल जाएं... 27 साल से भाजपा का दिल्ली में वनवास है अब ये दिल्ली की जनता को परेशान करके वोट लेना चाहते हैं।

## आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे - गृहमंत्री शाह

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के चेनानी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि आप सभी सिर्फ चेनानी के लिए वोट नहीं करेंगे बल्कि पूरे जम्मू–कश्मीर के लिए फैसला करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है कि यहां कोई चुनाव हो रहा है, जहां न तो धारा 370 है और न ही कोई अलग झंडा। एनसी और राहुल बाबा कहते हैं कि हम धारा 370 वापस लाएंगे, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि न तो आप और न ही आपकी तीन पीढ़ियाँ धारा 370 को वापस ला सकेंगी। अमित शाह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर का ये चुनाव, यहां तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि जब से मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाने का फैसला किया है, तब से घाटी में शांति बनी हुई है। आतंकवाद और पथराव की घटनाओं में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर 40 साल तक आतंकवाद की दहशत में रहा, न पत्थरबाजी होती है, न ही गोलियां चलती हैं। विपक्ष पर वार करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस, छठ जम्मू–कश्मीर में फिर आतंकवाद लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि

40,000 लोग मारे गए, 3,000 दिन कर्फ्यू रहा। हर दिन पाक प्रेरित आतंकवादी बम और गोलियां चलाते थे। मोदी जी की सरकार ने धारा–370 को समाप्त कर दिया अब कल उमर अब्दुल्ला और राहुल बाबा कह रहे थे कि हम जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र लाएंगे। किस मुंह से कह रहे हैं आप? अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार व नेहरू–गांधी परिवार ने 70 वर्षों तक जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र को बांध कर रखा। उन्होंने कहा कि अब यहां पंच, सरपंच भी हैं, ब्लॉक के चुनाव हुए, जिले के चुनाव हुए, जो पहले नहीं होते थे। मोदी जी ने 40,000 जनप्रतिनिधियों को लोकतंत्र का फायदा पहुंचाया है। उमर अब्दुल्ला को चुनौती देते हुए शाह ने कहा कि आतंकवाद को हम पाताल तक दफन करके ही हम दम लेंगे। किसी की ताकत नहीं है, जो जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद लेकर आए। अब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है। उन्होंने कहा कि हमारी देश की संसद पर जिस अफजल गुरु ने हमला करवाया उसकी फांसी की सजा का ये लोग विरोध कर रहे हैं। उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। उमर अब्दुल्ला साहब, आप आतंकवादियों को बिरयानी खिलाते रहिए।

## जम्मू–कश्मीर में भी विकास व सुरक्षा के लिए भाजपा आवश्यक – सीएम योगी

जम्मू, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ से उम्मीदवार देविंद्र कुमार मणियाल, विजयपुर से चंद्रप्रकाश गंगा, सांबा से सुरजीत सिंह, व आरएस पुरा से डॉ. नरिंदर सिंह रैना, सुचेतगढ़ से प्रो. घारूराम भगत, बिश्नाह से भाजपा उम्मीदवार राजीव भगत को जिताने की अपील की। आरएस पुरा की रैली में सीएम योगी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना भी रहे। योगी आदित्यनाथ ने मौसम खराब होने के कारण मोबाइल से संदेश देकर छंब से भाजपा प्रत्याशी राजीव शर्मा के लिए कमल खिलाने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में भी विकास व सुरक्षा के लिए भाजपा आवश्यक है। भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। सीएम योगी ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में कहा कि यहां भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। पाकिस्तान को लोकतंत्र बचाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अलग होने की आवाज उठा रहा है। लोग कह रहे कि जम्मू–कश्मीर के चुनाव के साथ यदि मुजफ्फराबाद में भी चुनाव होता तो अच्छा संदेश जाता। बलूचिस्तान कह रहा है कि पाकिस्तान से हमारी कमेस्ट्री मिलती ही नहीं है, क्योंकि यह मानवता का कैंसर है और दुनिया को इससे मुक्ति मिलनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा,

जीवन ज्योति, जीवन बीमा सुरक्षा योजना का लाभ, 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि, 10 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय, 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला योजना का सिलेंडर मिल गया। जम्मू–कश्मीर में पौने तीन लाख गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ मिला तो दूसरी तरफ भीखमंगे पाकिस्तान में रोटी के लाले पड़ रहे हैं।

### गायब हो गए पत्थरबाज

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने धारा–370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया। आतंकवाद की नर्सरी समाप्त हो गई। कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू–कश्मीर को आतंकवाद का वेयर हाउस बना चुके थे, लेकिन नरेंद्र मोदी के पीएम व अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद आतंकवाद अंतिम सांस गिन रहा और पत्थरबाज गायब हो गए हैं।

### कांग्रेस, पीडीपी व नेकां ने जम्मू–कश्मीर को मजहबी उन्माद में बदलने का पाप किया

सीएम योगी ने महाराजा हरि सिंह, प्रेमनाथ डोरा, ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह का नाम लेते हुए कहा कि इन नायकों ने जम्मू–कश्मीर को धरती का स्वर्ग बनाया था, लेकिन कांग्रेस, पीडीपी व नेकां ने इसे मजहबी उन्माद में बदलने का पाप किया। यह चुनाव उन्हें सबक सिखाने का चुनाव है। पीएम मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण कराया। कांग्रेस ने पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में मनवाया, लेकिन पीएम मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का फैसला किया। यूपी में भी इस दिन यह आयोजन होता है।

### यह टेररिज्म स्टेट नहीं, बल्कि टूरिज्म स्टेट का डेस्टिनेशन बन गया है

सीएम योगी ने कहा कि आपने नए भारत के नए जम्मू–कश्मीर को देखा है। यह टेररिज्म स्टेट नहीं, बल्कि टूरिज्म का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। कांग्रेस, पीडीपी, नेकां शासन में यहां तिरंगा फहराने के लिए गुहार लगानी पड़ती थी, लेकिन अब यहां जी–20 का समिट होता है। पहले धमकी आती थी कि अमरनाथ यात्रा नहीं होने देंगे। यह सुनकर इन पार्टियों के लोग सहम जाते थे, लेकिन अब पूरा देश–दुनिया बाबा बर्फानी व मां वैष्णो के दर्शन करने आता है।

### कांग्रेस, नेकां व पीडीपी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। राजनीति में ऐसी कंपनियों को बंद होना चाहिए। इन लोगों ने दलितों, बकरवालों, पहाड़ियों को आरक्षण नहीं देने दिया। यहां से जुड़ी जातियों को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रयास नहीं किया। 1947 में जिनकी संपत्ति छीन ली गई, पाकिस्तान से जो लोग भारत आए, उन्हें भी नागरिकता भी नहीं दी। जब मोदी–शाह ने सिटीजनशिप एमेनमेंट एक्ट बनाकर प्रभावी ढंग से लागू किया तो यह सभी दल उसका विरोध कर रहे थे। 1990 के दशक में कांग्रेस, पीडीपी व नेकां के पाप की पराकाष्ठा को भी देखा है, जब कश्मीरी पंडितों के साथ बर्बर अत्याचार हुए थे। उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त करने की बजाय यह दल दहशतगर्दों के साथ खड़े हुए थे। केवल भाजपा ही पीड़ित कश्मीरी पंडितों के साथ खड़ी हुई थी।

## संपादकीय

### 'मेक इन इंडिया'

यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था– विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने। आज आप में से प्रत्येक का अभिनंदन करने का शानदार अवसर है जिन्होंने इस पहल को अत्यंत सफल बनाया है। आप में से प्रत्येक व्यक्ति अग्रणी, दूरदर्शी और अन्वेषक है जिनके अथक प्रयासों से ही 'मेक इन इंडिया' की सफलता सुनिश्चित हुई है, और इस तरह से हमारा देश वैश्विक आकर्षण एवं जिज्ञासा का केंद्र बन गया है। इस अथक सामूहिक प्रयास से ही एक सपने ने एक अत्यंत प्रभावशाली आंदोलन या मुहिम का रूप ले लिया है। 'मेक इन इंडिया' का व्यापक प्रभाव यह दर्शाता है कि भारत की प्रगति थमने वाली नहीं है। यह एक ऐसा अहम प्रयास था जो दस साल पहले इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था– विनिर्माण में भारत की प्रगति को और तेज करना, और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना कि हमारा जैसा प्रतिभाशाली राष्ट्र केवल आयातक ही नहीं, बल्कि निर्यातक भी बने। पिछले एक दशक पर विचार करते समय मैं इस बात पर गर्व महसूस किए बिना नहीं रह सकता कि 140 करोड़ भारतीयों की अपार क्षमता और कौशल ने हमें कितना आगे बढ़ा दिया है। 'मेक इन इंडिया' की छाप सभी क्षेत्रों में दिखाई देने लगी है जिनमें वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिनमें हमने अपनी अमिट छाप छोड़ने का सपना कभी भी नहीं देखा था।

मैं यहां एक–दो उदाहरण प्रस्तुत करता हूं।

मोबाइल का विनिर्माण... हम सभी यह जानते हैं कि मोबाइल फोन अब कितने अहम हो गए हैं, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2014 में हमारे यहां पूरे देश में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं। आज यह संख्या बढ़कर 200 से भी अधिक हो गई है। हमारे देश से मोबाइल निर्यात मात्र 1,556 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 1.2 लाख करोड़ रुपये के आश्चर्यजनक आंकड़े को छूने लगा है – यह 7500: की आश्चर्यजनक वृद्धि को दर्शाता है! आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 99: मोबाइल फोन सही मायनों में 'मेड इन इंडिया' हैं। हम पूरी दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता बन गए हैं। हमारे इस्पात उद्योग पर एक नजर डालें तो हम विशुद्ध रूप से तैयार स्टील के निर्यातक बन गए हैं, जिसका कुल उत्पादन वर्ष 2014 से लेकर अब तक 50: से भी अधिक बढ़ गया है। हमारा सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का निवेश आकर्षित करने में सफल रहा है, जिसमें पांच संयंत्रों को मंजूरी दी गई है जिनकी संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 7 करोड़ से भी अधिक चिप्स की होगी। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हम पूरी दुनिया में चौथे सबसे बड़े उत्पादक देश हैं जिसमें कुल क्षमता केवल एक दशक में 400: बढ़ गई है। हमारा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग जोरदार छलांग के साथ 3 अरब डॉलर का हो गया है, जो वर्ष 2014 में तो एक तरह से अस्तित्व में ही नहीं था। रक्षा उत्पादों का निर्यात मात्र 1,000 करोड़ रुपये से ऊंची छलांग लगाकर 21,000 करोड़ रुपये हो गया है, जो अब तो 85 से भी अधिक देशों में पहुंच गया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान, मैंने एक जीवंत खिलौना उद्योग की आवश्यकता के बारे में बात की थी और हमारे लोगों ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है! पिछले कुछ वर्षों में, हमने निर्यात में जहां 239: की वृद्धि देखी है, वहीं, आयात आधे से भी कम हो गया है, जिसका विशेष रूप से हमारे स्थानीय विनिर्माताओं और विक्रेताओं को लाभ हुआ है, छोटे बच्चों का तो कहना ही क्या!

आज के भारत के कई प्रतीक – हमारी वंदे भारत ट्रेनें, ब्रह्मोस मिसाइलें और हमारे हाथों में मोबाइल फोन – सभी पर गर्व के साथ मेक इन इंडिया लेबल नजर आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, इससे भारतीय प्रतिभा और गुणवत्ता का पता चलता है। मेक इन इंडिया पहल इसलिए भी खास है क्योंकि इसने गरीबों को बड़े सपने देखने और आकांक्षाओं के लिए पंख दिए हैं– इसने उन्हें यह विश्वास दिलाया है कि वे वेल्थ क्रिएटर बन सकते हैं। एमएसएमई क्षेत्र पर इसका प्रभाव भी उतना ही उल्लेखनीय है। एक सरकार के रूप में, हम इस भावना को और भी मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा एक दशक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ बोलता है। उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं गेम चेंजर रही हैं, जिससे हजारों करोड़ रुपये का निवेश संभव हुआ है और लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। हमने व्यापार को आसान बनाने के लिए भी खासे प्रयास किए हैं। आज भारत के पक्ष में बहुत कुछ चल रहा है– हम लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग का सही मिश्रण हैं। हमारे पास वो सब कुछ है जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक हैं और जिन्हें व्यापार के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जाता है। हमारे पास सबसे शानदार युवा शक्ति भी है, जिसके स्टार्टअप की सफलता सभी के सामने है। इस प्रकार, माहौल स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में है। वैश्विक महामारी जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत मजबूती से विकास की राह पर बना हुआ है। आज, हमें वैश्विक विकास के नेतृत्व करने वाले के रूप में देखा जा रहा है। मैं अपने युवा मित्रों से आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारा साथ दें। हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए।

# मिडिल अर्थ के साथ एक नई साझेदारी

आदित्य

भूमध्य सागर की सीमा से लगे 28 देशों को हाल ही में भारत और इस क्षेत्र के बीच एक नई साझेदारी में प्रतिनिधित्व मिला। दोनों पक्षों के व्यवसायों ने रक्षा उत्पादन, समुद्री और विनिर्माण सहित अन्य क्षेत्रों में संभावित सहयोग की संभावनाएँ तलाशीं।भारत और भूमध्य सागर के किनारे के देशों के बीच पारंपरिक संबंधों में प्राचीन तालमेल की झलक मिलती है। भूमध्य सागर ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसने सहस्राब्दियों से पूर्व और पश्चिम के बीच भूमि और समुद्री व्यापार को सुगम बनाया है। यूरोप, एशिया और अफ्रीका के तीन महाद्वीपों में फैले एक विविध क्षेत्र, 28 देश आर्थिक विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं।साथ में, वे वैश्विक समुद्री व्यापार के लगभग 25 प्रतिशत को सुगम बनाने वाले एक महत्वपूर्ण समूह का गठन करते हैं। समुद्री अर्थव्यवस्थाओं का सामूहिक सकल घरेलू उत्पाद लगभग 10.5 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर है। 2023–24 में भूमध्य सागर के तीन प्रमुख उप–क्षेत्रों यूरोप, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में इस क्षेत्र के साथ भारत का कुल व्यापार लगभग 76.2 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इसी तरह, भारत ने भी इंडो–पैसिफिक में अपने केंद्रीय स्थान के साथ वैश्विक व्यापार को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आने वाले वर्षों में भारत 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक विकास का अग्रणी इंजन बनने जा रहा है, इसलिए वह दुनिया में नए रिश्ते बनाना चाहता है। इसी संदर्भ में भारत भूमध्यसागरीय देशों का एक महत्वपूर्ण साझेदार और मित्र बनकर उभर रहा है। भारत और भूमध्यसागरीय देशों के ऐतिहासिक द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को जारी रखना दोनों क्षेत्रों के लिए एक उपयोगी साझेदारी होगी। यह विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक बहुआयामी सहयोग एजेंडा के रूप में उभरने वाला है। गुरुआत में, साझेदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए एक प्रमुख पहल भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा (प्डम्द) है। नई दिल्ली में आयोजित 2023 ळ20 शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित, प्डम्द को भूमि और समुद्री मार्गों के संयोजन के माध्यम से भारत और भूमध्यसागरीय अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाले एक समर्पित व्यापार गलियारे के रूप में परिकल्पित किया गया है। प्रौद्योगिकी और स्थिरता–आधारित प्रथाओं को एकीकृत करते हुए, यह भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच संपर्क और वाणिज्य में उल्लेखनीय सुधार करने का वादा करता है, और दोनों क्षेत्रों में समृद्धि को बढ़ाएगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए बंदरगाहों और रेलवे सहित मल्टीमॉडल परिवहन अवसंरचना का निर्माण करने की उम्मीद है। इसके साथ ही, यह क्षेत्र वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को आकर्षित करने के लिए औद्योगिक बुनियादी ढांचे का निर्माण भी करेगा। इस तरह की प्रस्तावित निर्माण गतिविधि से दोनों पक्षों के व्यवसायों को लाभ होगा। दूसरा, समुद्री व्यापार में महत्वपूर्ण उपस्थिति वाले दो आर्थिक क्षेत्रों के रूप में, नीली अर्थव्यवस्था भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग क्षेत्र के रूप में उभरता है। भारतीय और भूमध्यसागरीय बंदरगाहों का रणनीतिक स्थान उन्हें वैश्विक वाणिज्य के प्रमुख सुविधाकर्ता बनाता है। भूमध्य सागर और हिंद महासागर दोनों के तटों पर समुद्री बुनियादी ढांचे का संयुक्त विकास संबंधों को गहरा कर सकता है, निर्मित वस्तुओं के लिए मूल्य श्रृंखलाओं को विकसित कर सकता है और प्डम्द की दक्षता में सुधार कर सकता है। दोनों पक्ष शिपिंग और जहाज निर्माण में भी एक साथ काम कर सकते हैं। मत्स्य

पालन, समुद्री जीव विज्ञान और अनुसंधान, और तटीय क्षेत्रों की स्थिरता अन्य क्षेत्र हैं जहां दोनों सहयोग कर सकते हैं। तीसरा, चूंकि डिजिटलीकरण और उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियां वैश्विक सूचना के प्रमुख घटक के रूप में उभर रही हैं, इसलिए भारतीय और भूमध्यसागरीय देशों के बीच साझेदारी की परिकल्पना की जा सकती है। भारत और भूमध्यसागरीय देश UPI जैसे भुगतान इंटरफेस को शुरू करने और विकसित करने पर संयुक्त रूप से सहयोग कर सकते हैं, ई–कॉमर्स और फिनटेक जैसे क्षेत्रों के लिए भारत स्टैक की ताकत का लाभ उठा सकते हैं। इसी तरह, भारत और भूमध्यसागरीय देश एकीकृत डिजिटल कॉरिडोर पर सहयोग कर सकते हैं और समुद्र के अंदर दूरसंचार संपर्क बढ़ा सकते हैं। चौथा, भारत और भूमध्यसागरीय देशों को ऊर्जा सुरक्षा और संधारणीय ऊर्जा पर सहयोग करना चाहिए। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल पर उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत, भारत और भूमध्यसागरीय देश विनिर्माण और अपने ऊर्जा मिश्रण में स्वच्छ ऊर्जा को शामिल करने पर मिलकर काम कर सकते हैं। पांचवां, भू–राजनीतिक अस्थिरता के कारण वाणिज्य के लिए वैश्विक चुनौती के रूप में, बहुपक्षीय औद्योगिक रक्षा साझेदारी को बढ़ावा दिया जा सकता है। भारत और भूमध्यसागरीय देशों को औद्योगिक रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और सुरक्षा में सुधार करने के लिए मेक इन इंडिया पहल के तहत संयुक्त विनिर्माण और तकनीक हस्तांतरण समझौतों को आगे बढ़ाना चाहिए। छठा, भूमध्यसागरीय कंपनियों के पास भारत में निवेश करने और इसे न केवल भारतीय बाजार बल्कि इंडो–पैसिफिक क्षेत्र और संभावित रूप से दुनिया के बाजारों के लिए विनिर्माण केंद्र के रूप में उपयोग करने के महत्वपूर्ण अवसर हैं। इसी तरह, भारतीय कंपनियां आपूर्ति श्रृंखलाओं में खुद को एकीकृत करने और उनके बाजारों तक पहुंचने के लिए भूमध्यसागरीय व्यवसायों के साथ संयुक्त उद्यम बना सकती हैं। सातवां, दोनों क्षेत्रों में पर्यटन संबंधों की अपार संभावनाएं हैं। इनका ऐतिहासिक संबंध दोनों दिशाओं से पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। इसके साथ ही, पर्यटन अवसंरचना, कौशल विकास और क्रूज पर्यटन भी जुड़ाव के क्षेत्र हो सकते हैं।

# राष्ट्रपति के लिए भविष्य की चुनौतियां

विनोद

लोकप्रिय विरोध प्रदर्शनों के दो साल बाद श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को इस्तीफा देने और भागने के लिए मजबूर किया गया था, देश ने अपने राष्ट्रपति के रूप में एक अप्रत्याशित वामपंथी राजनेता को चुनकर अतीत से एक साफ विराम चुना है। अनुरा कुमारा दिसानायके और उनकी जनता विमुक्ति पेरामुना पहले कभी सत्ता के करीब नहीं रहे हैं। वास्तव में, जेवीपी ने 1970 के दशक में और 1980 के दशक के अंत में उसी श्रीलंकाई राज्य को उखाड़ फेंकने के लिए सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था जिसका नेतृत्व अब श्री दिसानायके करेंगे। लेकिन 2022 के अरागला विरोध प्रदर्शनों में एक प्रमुख अभिनेता के रूप में पार्टी की भूमिका ही थी जिसने जेवीपी और उसके नेता के उत्थान को प्रेरित किया। श्री दिसानायके, जिनकी जेवीपी नेशनल पीपुल्स पावर नामक एक व्यापक गठबंधन का हिस्सा है, ने पिछले शनिवार के चुनाव में विपक्ष के निवर्तमान नेता सजित प्रेमदासा को हराया, जो पूर्व राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदासा के बेटे हैं। अब उन्हें उसी व्यवस्था के साथ काम करके अपने वादों को पूरा करने की जरूरत है, जिसकी उन्होंने पहले निंदा की थी। श्री दिसानायके ने भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने का वादा किया है। लेकिन बड़े सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें संसद के समर्थन की जरूरत होगी। श्री दिसानायके ने मंगलवार को संसद को भंग कर दिया 14 नवंबर को अचानक चुनाव होंगे। अगर एनपीपी अपने दम पर बहुमत से चूक जाती है, तो उसे उन पार्टियों के समर्थन की जरूरत होगी, जिनकी उसने बार–बार आलोचना की है। ऐसा नहीं है कि श्री दिसानायके को केवल घरेलू चुनौतियों का ही सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने 2.9 बिलियन डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ऋण की शर्तों पर फिर से बातचीत करने का वादा किया है, जिसने 2022 के ऋण चूक के बाद देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद की है, लेकिन इसका मतलब सामाजिक कल्याण में कटौती और कर वृद्धि के रूप में गरीब श्रीलंकाई लोगों के लिए कठिनाइयाँ भी हैं। ऋण को जोखिम में डाले बिना श्रीलंका के लिए बेहतर सौदा हासिल करना आसान नहीं होगा। श्रीलंका के पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रबंधित करना भी उतना ही जटिल हो सकता है। जेवीपी ऐतिहासिक रूप से भारत की गहरी आलोचना करता रहा है और चीन के करीब रहा है। श्री दिसानायके ने इस वर्ष की शुरुआत में नई दिल्ली का दौरा करके उस संतुलन को सुधारने की कोशिश की है। अपने चुनाव के बाद, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गर्मजोशी भरे सार्वजनिक संदेशों का आदान–प्रदान किया है। भारत और चीन के साथ संबंधों को किस तरह से संभाला जाता है, यह उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी परीक्षा साबित हो सकती है। स्वदेश में, श्री दिसानायके को श्रीलंका के तमिलों और मुसलमानों तक भी पहुंचना चाहिए, ऐसे समुदाय जिनकी शिकायतों को जेवीपी ने ऐतिहासिक रूप से स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। उनके चुनाव के लिए वास्तव में अपने देश के लिए एक नई शुरुआत की घोषणा करने के लिए, यह सभी श्रीलंकाई लोगों के लिए आशा का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। यह सुनिश्चित करना श्री दिसानायके की अंतिम परीक्षा होगी।

# भारत के लिए खतरा बन सकते हैं कश्मीरी अलगाववादी

ललित

पिछले दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और विशेष दर्जे को समाप्त करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को रद्द करने के साथ यह निर्देश भी दिया था कि एक तय समय में विधानसभा चुनाव करा लिए जाएं। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्देश के बाद जम्मू–कश्मीर में शांतिपूर्ण तरीके से हो रहे चुनावों से देश का एक वर्ग आश्वस्त दिख रहा है कि विधानसभा चुनावों के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। लोगों को यह भी उम्मीद है कि नई विधानसभा के चुने जाने के बाद आजादी के पहले दिन से ही मुसीबतों से घिरे हुए जम्मू–कश्मीर में शांति बहाल हो जाएगी। कश्मीर विवाद के कारण यहां की जनता ने जैसी कठिनाइयां देखी हैं और भारत विरोधी शक्तियों के नैरेटिव निर्माण की ताकत के आगे बार–बार पस्त होने वाली केंद्रीय सरकारों ने वैश्विक मंचों पर जिस स्तर का विरोध सहा है, उसके बाद इस तरह की आशाओं का जगना स्वाभाविक भी है। इन विधानसभा चुनावों से पहले जम्मू कश्मीर की जनता ने जैसे उत्साह के साथ स्थानीय निकायों के चुनावों में भाग लिया और जैसे शांति भरे माहौल में वे चुनाव संपन्न हुए, उससे भी कश्मीर में सब कुछ ठीक होने की आस जगी थी, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनावों की घोषणा के दिन से ही कश्मीर घाटी में जिस तरह के उम्मीदवार और जैसे चुनावी वादे पूरे माहौल पर हावी हैं, उसे देखते हुए यह आशंका बल पकड़ने लगी है कि विधानसभा में भले ही कोई भी पार्टी या गुट बहुमत हासिल करे, लेकिन घाटी की राजनीति फिर से अलगाववाद और केंद्र से टकराव की आग में तप सकती है।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में कई प्रत्याशी ऐसे हैं, जो या तो अलगाववादी रहे हैं या ऐसे संगठनों के सक्रिय सदस्य। इनमें अनेक निर्दलीय हैं। इन निर्दलीय उम्मीदवारों के एक बड़े वर्ग का संचालन इंजीनियर रशीद के नाम से चर्चित शेख अब्दुल रशीद कर रहा है, जो देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद था। सुप्रीम कोर्ट की मेहरबानी से वह चुनाव प्रचार के लिए जमानत पर रिहा हो गया। अलगाववादी छवि वाले इंजीनियर रशीद ने जेल में बंद रहने के बावजूद लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को उन्हीं की परंपरागत सीट बारामूला में बड़े अंतर से हराया था। रशीद पर यह आरोप है कि उसने इन चुनावों में प्रतिबंधित जमाते इस्लामी के साथ अंदरखाने गठबंधन किया हुआ है। अपने प्रचार अभियान में अनेक उम्मीदवारों ने खुलकर यह कहा है कि चुनाव जीतने पर वे फिर से अनुच्छेद 370 लागू कराएंगे और जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे को भी बहाल कराएंगे। ऐसे उम्मीदवारों की सभाओं में जुटने वाली भीड़ का एक असर यह हुआ कि आम तौर पर आतंकियों और अलगाववादियों के मुकाबले मध्यमार्गी और नरमपंथी मानी जाने वाली नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने भी गरम तेवर अपना लिए। फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती चुनावी भाषणों में 370 को फिर से लागू करने और राज्य को अधिक स्वायत्तता एवं विशेष दर्जा दिलाने का वादा कर रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस ने तो अपने चुनावी वादों में यह भी शामिल कर लिया है कि अगर कांग्रेस के साथ उनके गठबंधन को बहुमत मिला तो विधानसभा में फिर से 2000 वाले उस प्रस्ताव को पारित किया जाएगा, जिसमें राज्य का 1951 के स्तर वाला दर्जा बहाल करने की बात कही गई थी। उसमें जम्मू–कश्मीर के लिए भारत से अलग अपने झंडे और संविधान की व्यवस्था थी। नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन के कारण कांग्रेस के नेता असमंजस में हैं। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में उसके जैसा रवैया अपनाने का खतरा नहीं मोल लेना चाहती। जम्मू और कश्मीर घाटी के राजनीतिक समीकरण एक–दूसरे से ठीक उलट हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू में जिस बड़े पैमाने पर खुशी और उत्सव का माहौल बना, वह कांग्रेस नेताओं को याद है।

इसके बाद केंद्र की नीतियों ने जम्मू और कश्मीर, दोनों जगह जिस तरह विकास के नए द्वार खोले, उसे देखते हुए कांग्रेस किसी भी हालत में 370 की वापसी की बात कहने का जोखिम नहीं उठा सकती। कश्मीर घाटी में माहौल को और खराब करने वाले दो और तत्व भी हैं, जिनकी अनदेखी महंगी पड़ सकती है। एक तो यह कि लगभग हर मामले में खुद को सक्रिय दिखाने वाले सुप्रीम कोर्ट ने जल्द चुनाव कराने का निर्देश तो जारी कर दिया, लेकिन कश्मीर घाटी से आतंक और हिंसा के दम पर भगा दिए गए कश्मीरी हिंदुओं और सिखों की सुरक्षित घर वापसी और स्थानीय राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी सुनिश्चित करने वाला कोई निर्देश नहीं दिया। लोकतंत्र और मानवीय मूल्यों के रक्षक सुप्रीम कोर्ट से यह आशा की जाती थी कि वह इस पाप का संज्ञान लेता कि भारत के इकलौते मुस्लिम बहुल राज्य की कश्मीर घाटी में सदियों से रहने वाले लाखों लोगों को केवल इसलिए भगा दिया गया कि वे मुसलमान नहीं थे। इसी तरह 2022 में भले ही राज्य के नए परिसीमन आयोग ने विधानसभा सीटों को 111 से बढ़ाकर 114 कर दिया हो और जम्मू को छह एवं घाटी को एक अतिरिक्त सीट दी हो, लेकिन इसके बाद भी विधानसभा में सत्ता का संतुलन 47–43 होने के कारण कश्मीर के पक्ष में ही रहेगा।

# एक देश एक चुनाव– सपना जितना लुभावना उतना ही मुश्किल भी

जयसिंह

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित एक राष्ट्र एक चुनाव विषय को लेकर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार करने के बाद अब इस मुद्दे पर संवैधानिक प्रक्रियाएं शुरू होने के साथ ही व्यापक राष्ट्रीय चर्चा शुरू हो जाएगी। कोविन्द समिति की सिफारिशों के अनुसार "एक राष्ट्र एक चुनाव" का युगान्तरकारी उद्देश्य दो चरणों में लागू होना है, जिसमें पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा का निर्वाचन एक साथ कराना और दूसरे दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के लिए निर्वाचन (पंचायत और नगर पालिका) कराना शामिल है। सिफारिशों के अनुसार सभी निर्वाचनों के लिए एकसमान मतदाता सूची बनगी और राष्ट्रव्यापी चर्चा के बाद एक कार्यान्वयन समूह को गठन होगा।

बैसाखियों पर खड़ी सरकार के लिए मुश्किलें कम नहीं

एक साथ नगर निकायों से लेकर संसद के चुनाव कराने की प्रक्रिया को कुछ आसान बनाने के लिए ही इस सम्पूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक कसरत को दो भागों में बांटा गया है। अब देखना यह है कि मोदी सरकार का यह अति महत्वाकांक्षी सपना किस तरह साकार होता है, क्योंकि "एक राष्ट्र एक चुनाव" का नारा जितना लुभावना लगता है उतना आसान कतई नहीं है। इसके लिए महत्वपूर्ण संविधान संशोधनों के साथ ही राष्ट्रीय सहमति की भी महती आवश्यकता है और विपक्ष से और कम से कम विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से इस विचार को समर्थन मिलने की संभावना को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरके ने सिरे से खारिज कर दिया है। इस समय पक्ष और विपक्ष जानी दुश्मन का जैसा व्यवहार कर रहे हैं। भाजपा अपने बलबूते पर नहीं बल्कि सहयोगी दलों के समर्थन से सत्ता में है। हाल ही में मोदी सरकार को जिस तरह कुछ निर्णयों को लेकर बैकफुट पर आना पड़ा उससे सरकार के एक साथ चुनाव कराने की महत्वाकांक्षी योजना के भविष्य पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। इधर, फिर भी आशावादी विचारकों और खास कर भाजपा समर्थकों का मानना है कि जब मोदी सरकार पिछले कार्यकाल में धारा 370 को हटाने का जैसा बहुत ही टेढ़ा काम कर सकती है तो यह भी कर लेगी। मोदी सरकार को अपनी मजबूती साबित करने के लिए भी यह जटिल कार्य करना पड़ रहा है।

संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता

भारत के संविधान में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक साथ चुनाव का प्रावधान नहीं है। इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए संविधान में संशोधन के लिए राजनीतिक सहमति और एक लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। राज्य विधान सभाओं और लोकसभा के लिए निश्चित शर्तें समकालिक नहीं हैं। इन शर्तों के समन्वय के लिए दोनों स्तरों पर संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी। संविधान के जानकारों के अनुसार इसके लिए कम से कम संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन करना पड़ेगा।

कदम –कदम पर संवैधानिक अड़चनें

अनुच्छेद 83 खंड (2) के तहत लोकसभा का कार्यकाल ठीक 5 साल तय किया गया है। संसद के सत्र के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है। भारत में किसी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल संविधान के अनुच्छेद 172 द्वारा निर्धारित किया गया है। यह अनुच्छेद निर्दिष्ट करता है कि राज्य विधान सभा का सामान्य कार्यकाल पांच वर्ष होगा। लेकिन इसे कुछ परिस्थितियों में राज्य के राज्यपाल द्वारा पहले भी भंग किया जा सकता है, जैसे कि जब विधानसभा बहुमत का विश्वास खो देती है या जब राज्यपाल इसके विघटन की सिफारिश करता है। संविधान आपातकाल की घोषणा की स्थिति में विधानसभा के कार्यकाल के विस्तार की भी अनुमति देता है। इसी अनुच्छेद में प्रावधान है कि जब आपातकाल की उद्घोषणा प्रवर्तन में है, तब संसद विधि द्वारा ऐसी अवधि एक बार में एक वर्ष तक बढ़ा सकेगी और उद्घोषणा के प्रवर्तन में न रह जाने के पश्चात् किसी भी दशा में उसका विस्तार छह मास की अवधि से अधिक नहीं होगा। राज्य की संवैधानिक मशीनरी के खराब होने की स्थिति में केंद्र सरकार अनुच्छेद 356 में प्रदत्त शक्ति का उपयोग कर राज्य के प्रशासन का नियंत्रण ग्रहण करता है। इस अनुच्छेद को "राष्ट्रपति शासन" भी कहा जाता है। लेकिन अब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल आसान नहीं रह गया है। केंद्र शासित प्रदेशों, जिनकी अपनी विधान सभाएं नहीं हैं, की विशिष्ट स्थिति को समायोजित करने के लिए भी आवश्यक प्रावधान करने होंगे। अनुच्छेद 324 में संशोधन कर एक साथ चुनावों के समन्वय के लिए चुनाव आयोग को अतिरिक्त अधिकार और जिम्मेदारियों के साथ सशक्त बनाना होगा ताकि आयोग समय से पहले बिना राज्य सरकार की सहमति से भी चुनाव तिथियां घोषित कर सके।

व्यवहारिक रुकावटें बहुत हैं !

आजादी के बाद पहले चुनाव से लेकर 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए गए। लेकिन दलबदल, राजनीतिक अस्थिरता तथा अनुच्छेद 356 के बार–बार इस्तेमाल के कारण एक साथ चुनाव का क्रम टूटता गया। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए राज्य सरकारें समय से पहले गिरती रही हैं और खण्डित जनादेश के कारण विधानसभा नई बहुमत की सरकार चुनने की स्थिति में नहीं रहीं। अब अविश्वास प्रस्तावों और विधान सभाओं के विघटन से संबंधित प्रासंगिक प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता भी होगी। चुनाव के समय में बदलाव के लिए दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) में संशोधन भी करना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत में संवैधानिक संशोधनों के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो–तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्य विधानमंडलों द्वारा समर्थन की आवश्यकता होती है। ऐसी आम सहमति हासिल करना और संविधान में सफलतापूर्वक संशोधन करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया होगी।

आसान नहीं होगा विपक्ष को मनाना

दिया जा रहा है कि जब निर्वाचन आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव एक साथ नहीं करा सकता।

# विकास खंड बक्शी का तालाब की ब्लाक कार्यकारिणी का चुनाव हुआ संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा लखनऊ की ब्लाक कार्यकारिणी 2024,–25 का द्विवार्षिक चुनावी अधिवेशन आज दिनांक – 27/09/2024 को पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत विकासखंड खंड बक्शी का तालाब ब्लाक के सभागार में संघ चुनाव अधिकारी –श्री मयंक/जिला मंत्री,उनके साथ रहे सह चुनाव अधिकारी धर्म प्रकाश कुशवाहा,एवं प्रवीण भारती, नरेंद्र कुमार गौतम द्वारा कुल 05 पदों पर नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कराते हुए संपन्न कराया गया जिसमें 1–ब्लाक अध्यक्ष 2–ब्लाक मंत्री 3–ब्लॉक कोषाध्यक्ष 4–ब्लॉक संप्रेक्षक पद पर मतदान के माध्यम से कर्मचारियों ने अपना नेता चुना । जबकि ब्लॉक संगठन मंत्री पद निर्विरोध रहा। अध्यक्ष पद पर श्रीनाथ को 69 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी शिव कुमार को 57 मत मिले। ब्लाक मंत्री पद पर शशिकांत को 65 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंदी राबिया बेगम को 63 मत पड़े अवैध मत 46 रहा। इस प्रकार श्रीनाथ ब्लॉक अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित हुए, ब्लॉक मंत्री पद पर श्री शशिकांत विजय हुए ब्लॉक कोषाध्यक्ष पर मुन्ना लाल विजय घोषित हुआ ब्लॉक संप्रेक्षक पद पर अशोक कुमार जीत हासिल की ब्लॉक संगठन मंत्री पद पर शिव बालक( निर्विरोध) निर्वाचित हुए। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी (मयंक) द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस प्रकार निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति में शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। 'उक्त चुनावी प्रक्रिया संघ के जिला अध्यक्ष राम किशन एवं जिला मंत्री मयंक के निर्देशों के क्रम में संपन्न कराई गई। सभी नव – निर्वाचित ब्लाक कार्यकारिणी को संघ के (जिला अध्यक्ष – रामकिशन) (जिला मंत्री – मयंक)(जिला कोषाध्यक्ष – धर्म प्रकाश कुशवाहा) ( जिला संप्रेक्षक– श्री भगवान (जिला कार्यवाहक अध्यक्ष/मंडल अध्यक्ष पवन वाल्मीकि)( मंडल मंत्री प्रवीण भारती) (जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू भारती) जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश, विनय कुमार, जिला संयुक्त मंत्री संदीप कुमार, जिला उपाध्यक्ष सनी सिंह , जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गौतम एवं जिला उपाध्यक्ष शिवराज सहित समस्त जिला कार्यकारिणी ने जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

# 24 घंटे से हो रही अनवरत बारिश के चलते रामनगरी हुई पानी पानी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार रात से लगातार बारिश से अस्त–व्यस्त हुए राम नगरी में जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया। जिसके चलते शहर क्षेत्र के अधिकतर इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। रात एक बजे के करीब ठप हुई आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हो सकी। बिजली आपूर्ति ठप होने से 45 से अधिक मोहल्लों की करीब 80 हजार से अधिक की आबादी बिन बिजली पानी दिखाई दे रहे थे। स्थिति यह है कि भारी बारिश के चलते 33 हजार लाइन में आई फाल्ट भी अभी तक ट्रेस नहीं हो सकी।जबकि बिजली आपूर्ति ठप हुए 15 घंटे से ज्यादा हो गए।गुरुवार देर रात बारिश शुरू होते ही करीब एक बजे चौक, नियावां और अमानीगंज विघुत उप केन्द्रों से जुड़े इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बताया जाता है दर्शननगर से नियावां आई 33 हजार लाइन में फाल्ट आने से बिजली गुल हो गई। जिसके कारण चौक और नियावां समेत अमानीगंज विघुत उप केन्द्र से जुड़े 45 से अधिक इलाके चपेट में आ गए। सबसे पहले नियावां विघुत उप केन्द्र के अधीन आने वाले इलाकों में आपूर्ति ठप हुई उसके बाद चौक उप केन्द्र के क्षेत्र भी चपेट में आ गए। रात दो बजे के करीब अमानीगंज विघुत उप केन्द्र भी प्रभावित हो गया।जिसके कारण चौक, हैदरगंज, रीडगंज, खवासपुरा, इमामबाड़ा, राठहवेली, अंगूरीबाग, तेली टोला, नहर बाग, पंजाबी कालोनी, शक्ति नगर कालोनी, नियावां, हसनू कटरा, रेतिया, सीमेंट कोठी, खुरदमहल, काशमीरी मोहल्ला आदि इलाके ठप आपूर्ति की चपेट में आ गए।उपभोक्ताओं ने शुक्रवार सुबह चौक और नियावां विघुत उप केन्द्रों पर फोन मिलाना शुरू किया तो बिजी बताता रहा।बिजली आपूर्ति ठप होने से सुबह इन इलाकों में स्थित जल निगम के वाटर पंप भी नहीं चल सके जिसके कारण सुबह से जलापूर्ति न होने के कारण लोगों को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ा।इस संबंध में विद्युत उपभोक्ताओं का कहना है कि जब भी बिजली आपूर्ति ठप होती है जेई से लेकर उप केन्द्र के कर्मचारी फोन बंद या बिजी कर लेते हैं जिसके कारण सही जानकारी नहीं मिल पाती है। गुरुवार रात से अभी तक चौक विघुत उप केन्द्र का सीयूजी नंबर बंद चला आ रहा है। बताया जा रहा है कि फाल्ट न मिलने के कारण विघुत कर्मचारी फोन नहीं उठा रहे हैं।

# हिंदी पखवाड़ा पर अविवि में प्रतियोगिता में शामिल विजेता व मेधावी हुए पुरस्कृत

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग और क्षेत्रीय भाषा केंद्र तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्त्वावधान में हिंदी पखवाड़ा के उपलक्ष्य में प्रश्नमंच प्रतियोगिता के साथ–साथ मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को दो चरणों में आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सफल होने वाले प्रतिभागियों में से 20 विद्यार्थियों का चयन दूसरे चरण में किया गया जिनमें से पांच विद्यार्थी प्रतियोगिता में सफल हुए। जिनमें प्रथम पुरस्कार हिन्दी विभाग के सचिन कसौंधन, द्वितीय पुरस्कार गौरव सिंह, तृतीय पुरस्कार नेहा गुप्ता तथा अभीष्ट दीक्षित, राजवर्धन सिंह और आदर्श पांडेय को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।इस प्रतियोगिता में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक अमित बनर्जी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक, समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र व राजभाषा अधिकारी बैंक ऑफ बड़ौदा अमरीश वर्मा द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में क्रमशः 2000, 1500, 1200 और 750 रूपयें प्रतिभागियों को चेक स्वरूप प्रदान किए। वहीं दूसरी ओर हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक विभाग के सत्र 2022–2024 और 2021–2022 के परास्नातक हिंदी में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहन धनराशि 11,000 और 7500 के साथ प्रमाण–पत्र बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रदान किया गया।इस प्रतियोगिता में आवासीय परिसर के विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ0 सुमन लाल, डॉ0 प्रत्याशा मिश्रा, डॉ0 स्वाति सिंह सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ0 प्रतिभा देवी, डॉ0 प्रतिभा, डॉ0 शैलेन वर्मा, डॉ0 अंकित मिश्रा, डॉ0 अखंड सिंह, डॉ0 रमेश पटेल, डॉ0 श्याम बहादुर सहित अन्य मौजूद रहे।

# जेसीआई जौनपुर चेतना ने आयोजित किया भव्य महान दिवस एवं डांडिया नाइट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना द्वारा अध्यक्ष मीरा अग्रहरि के अध्यक्षता में नगर एक होटल में जेसी सप्ताह का समापन के अवसर पर भव्य महान दिवस का आयोजन किया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अंजू कन्नौजिया एवं विशिष्ट अतिथि डॉ स्वाति यादव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित एवं रिद्धिमा कन्नौजिया व सिद्धिमा कन्नौजिया द्वारा गणेश वंदना से किया गया।

सर्वप्रथम जेसी सप्ताह चेयर पर्सन सरला माहेश्वरी द्वारा पुरे जेसी सप्ताह की रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया एवं विशेष सहयोग के लिए अनिता गुप्ता, शारदा गुप्ता, ज्ञानेश्वरी गुप्ता, मंजू जायसवाल, मीनू बरनवाल को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष मीरा अग्रहरि द्वारा जेसीआई जौनपुर चेतना के स्तंभ सभी पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया जिसमे संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारु शर्मा, कल्पना केसरवानी, मधु गुप्ता, रीता कश्यप, अभिलाषा श्रीवास्तव को संस्था को निरंतर अपने योगदान के लिए सम्मानित किया गया इसके उपरांत पूर्व मंडल अध्यक्ष आलोक सेठ एवं जेकॉम चेयरमैन गौरव सेठ सहित सभी पत्रकार बंधुओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ अंजू कन्नौजिया एवं विशिष्ट अतिथि डॉ स्वाति यादव ने अपने उद्बोधन नारी सशक्तिकरण के बारे में लोगो को जागरूक किया एवं जेसीआई चेतना के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इसके उपरांत भव्य डांडिया नाइट का आयोजन किया गया जिसमे सभी सदस्यों सहित विभिन्न संस्थाओं से आए हुए अतिथियों ने सहभागिता लिया। डांडिया नाइट का आयोजन संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी, पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारु शर्मा, कल्पना केसरवानी, मधु गुप्ता, रीता कश्यप के सौजन्य से कराया गया। इस कार्यक्रम में सचिव वंशिका सिंह, कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता सहित जेसीआई जौनपुर चेतना की सभी सदस्यों में अंजू पाठक मीनू बरनवाल अनीता गुप्ता चंदा बरनवाल शारदा गुप्ता संचित बैंकर पूनम जायसवाल शिवानी चौरसिया दीपिका सिंह प्रियंका सिंह रोशनी केसरवानी विभा गुप्ता शिल्पी जायसवाल शिवांगी खरे मंजू जायसवाल ज्योति साह निकिता शाह ममता गुप्ता ममता कश्यप संचित बैंकर डॉली गुप्ता रजनी साहू चेतना साहू पूजा श्रीवास्तव

सहित विभिन्न संस्थाओं से पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ आकांक्षा द्विवेदी एवं सागर सोलंकी ने किया, कार्यक्रम उपरांत महान दिवस के कार्यक्रम संयोजक फर्स्ट लेडी ऑफ जोन 2020 अनिता सेठ एवं ममता केसरवानी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# मोटे अनाज देते है भरपूर पोषण – डा. सुरेश कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कृषि विभाग द्वारा शुक्रवार को विकास खण्ड बक्शा स्थित बीआरसी केंद्र के सभागार में उत्तर प्रदेश श्री अन्न (मीलेट्स) पुनरोद्धार योजना अन्तर्गत अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री अन्न (मिलेट्स) के महत्व एवं उपयोगिता से किसानों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष केवीके बक्शा डा. सुरेश कुमार कन्नौजिया ने अध्यापकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोटे अनाजों की उपयोगिता को देखते हुए सरकार ने श्री अन्न योजना का नाम दिया है दूसरे अनाजों की तरह ही मोटे अनाज चीला, खीर, खिचड़ी, दलिया, कटलेट, सूप, उपमा, डोसा, इडली, बिस्कुट स्नेक्स, चिक्की आदि रूपो में खाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न से बने खाद्यान्न एमडीएम में सम्मिलित किए जाने से बच्चों के वेहतर स्वास्थ्य के साथ मीलेट्स पुनरोद्धार को बढ़ावा मिलेगा। मिलेट्स की उपयोगिता से अपने छात्रध्छात्राओं को जागरूक करें जिससे उनके परिजन मोटे अनाजों की खेती कर अपने भोजन में सम्मिलित करें। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सन्दीप कुमार ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च (आईआईएमआर) हैदराबाद के अनुसार मोटे अनाज सिलिएक डिजीज के इलाज में लाभ प्रद है। इसका कारण है मोटे अनाज ग्लूटेन फ्री है। गेहूं में ग्लूटेन नामक तत्व पाया जाता है जिससे कुछ लोगों में सीलिएक बीमारी रोग हो जाता है। कृषि वैज्ञानिक डा. रत्नेश पांडेय ने कहा कि विशेषज्ञ मोटे अनाज को मधुमेह और कैंसर रोकने वाले तत्वों से भरपूर मानते हैं, पौस्टिक तत्व भरपूर मात्रा में होने के कारण मोटे अनाज को एनीमिया व कुपोषण की समस्या को दूर करने में सहायक माना जा रहा है। मोटे अनाजों में फाइबर की प्रचुरता उन्हें मधुमेह और मोटापे से बताती है मोटे अनाजों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है तभी मधुमेह व हृदय रोगियों को खाने की सलाह दी जाती है।

संचालन करते हुए उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि मोटे अनाजों की खेती से किसान कम लागत व स्वच्छ पर्यावरण में वेहतर उत्पादन लेकर कृषि का सतत विकास कर सकते है। इस मौके पर एआरपी विष्णु शंकर सिंह सहित बेसिक शिक्षा के 65 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

# घर की शांति के लिए कराए जा रहे पूजा में बैठने को लेकर खूनी संघर्ष एक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के खोइरी (खरगापुर) में गुरुवार को पूजा में बैठने को लेकर हुआ मारपीट में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव निवासी कैलाश नाथ शुक्ला पुत्र स्वर्गीय हीरामणि शुक्ला के छः लड़को में से एक लड़का विनोद शुक्ला अपने परिवार से अलग किराए की मकान में रहता था। घर की शांति के लिए उसके परिजनों ने श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया था जिसमें सम्मिलित होने के लिए गुरुवार की शाम 07रू00 बजे विनोद घर पर आया और पूजा में बैठने को लेकर पिता और एक भाई से कहा सुनी हो गई जिसमे भाई और पिता से विनोद के साथ लाठी डंडे चलने लगे जिसके बाद विनोद को घर में खीच कर ले गए और महिलाओं की मदत से घर का दरवाजा बंद कर विनोद शुक्ला को मारने पीटने लगे। इस घटना की सूचना मृतक विनोद की पत्नी अपने भाई निलेश दुबे को दी भाई ने बरसठी पुलिस को फोन कर मामले को संज्ञान में दिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो विनोद शुक्ला को घर के अंदर से निकाला गया और पुलिस की मदत से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां औपचारिक इलाज के बाद विनोद शुक्ला को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया जिला अस्पताल में डॉक्टर ने घायल विनोद शुक्ला को मृत घोषित कर दिया। विनोद और उनके पिता और भाईयो में आपसी बटवारे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। इधर कोई बड़ी वारदात न घटे जिसे देखते हुए मौके पर क्षेत्राधिकारी विवेक सिंह ने पहुंच कर बरसठी, रामपुर, नेवढ़िया, मीरगंज,थाना समेत अन्य थानों को मौके पर बुला लिया। बताया जा रहा है की मारपीट में शामिल आरोपी को पुलिस तलाश करने में जुट गई है। इस मामले में शुक्रवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार विवेक कुमार सिंह ने बताया कि बरसठी थाना क्षेत्र के खोइरी ( खरगापुर ) में गुरुवार को पूजा में बैठने को लेकर विनोद शुक्ला उनके पिता और भाइयों द्वारा मारपीट हुई थी इस दौरान विनोद शुक्ला को परिजनों और महिलाओं द्वारा मारा पीटा गया घटना की जानकारी विनोद शुक्ला की पत्नी ने अपने भाई निलेश दुबे को दिया इस पर भाई ने इसकी सूचना बरसठी थाने को सूचित किया मौके पर पहुंची पुलिस ने विनोद शुक्ला को सीएससी पर भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया यहां पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। इस मामले में विनोद शुक्ला की पत्नी द्वारा तहरीर दिया गया है मामला दर्ज कर अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

# राज समिति के सदस्य मनोनीत हुए सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय "राजबाबू"..

सुलतानपुर। विधानसभा अध्यक्ष की स्वीकृति से पंचायती राज समिति के सदस्य मनोनीत किये गये सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय "राजबाबू"..

समर्थकों समेत जिलेवासियों ने विधायक श्री उपाध्याय के मनोनीत होने पर खुशी व्यक्त की है..।

विधायक श्री उपाध्याय ने कहा कि पंचायती राज विभाग को पारदर्शी व मजबूत करने में वह अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगेँ। श्री उपाध्याय ने मा मुख्यमंत्री जी, मा. विधानसभा अध्यक्ष महोदय एवं मा. संसदीय कार्यमंत्री जी का आभार प्रकट करने के साथ साथ पार्टी कार्यकर्ताओं व शुभचिन्तकों का भी आभार प्रकट किया है..

# बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान में हिंदी पखवाड़ा २०२४ के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ कवि सम्मेलन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ में हिंदी पखवाड़ा २०२४ के अंतर्गत आयोजित भव्य कवि सम्मेलन का समापन अत्यधिक उत्साह और सराहना के साथ हुआ। हिंदी साहित्य के इस अनूठे कार्यक्रम में प्रतिष्ठित कवियों ने भाग लिया और अपनी बेहतरीन कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। हिंदी पखवाड़ा २०२४ पर्व दिनांक १४ सितम्बर से २६ सितम्बर २०२४ के बीच बीरबल साहनी संसथान में मनाया गया। इस पर्व के दौरान वाद–विवाद, हिंदी टंकड़, टिप्पण, निबंध लेखन एवं साइंस व्याख्यान जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी जिसमे संसथान के हिंदी भाषी व अभाषी कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कवि सम्मेलन में समाज, विज्ञान, पर्यावरण, वीर रस, हास्य रस और जीवन के विविध पहलुओं पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत की गईं, जो श्रोताओं के दिलों को छूने में सफल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत बीरबल साहनी संस्थान में कार्यरत डॉ पूनम वर्मा, राजभाषा अधिकारी ने कवी सम्मेलन आये सभी कवियों का परिचय देकर किया। संस्थान के निदेशक, प्रो. महेश जी ठक्कर ने कार्यक्रम की शुरुआत अपने स्वागत भाषण से किया, जिसमें उन्होंने हिंदी साहित्य और विज्ञान के बीच के अद्भुत संबंधों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर देश के कई प्रमुख कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिनमें वरिष्ठ हास्य कवि डा सूर्य कुमार पांडे, डा मालविका हरिओम, श्री मुकुल महान, श्री पंकज प्रसून, श्री अभय सिंह निर्भीक और श्री सौरभ जायसवाल शामिल थे। वरिष्ठ हास्य कवि डा सूर्य कुमार पांडे जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उनकी कविताओं ने श्रोताओं को न केवल हसाया बल्कि भावविभोर एवं गहर चिंतन के लिए प्रेरित भी किया। रानी लक्ष्मीबाई सम्मान से सम्मानित डा मालविका हरिओम जी ने कवी सम्मेलन की आगाज मधुर वंदना गीत से किया जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री मुकुल महान जी लखनऊ में हास्य व्यंग्य की दूसरी पीढ़ी के प्रतिनिधि रचनाकार हैं। वह हास्य सम्राट की उपाधि से विभूषित हैं और आज के मंच संचालन का दायित्व भी हो उन्हें ही सौंपा गया था जिन्होंने बखूबी निभाया। श्री अभय सिंह निर्भीक रामधारी सिंह दिनकर की परंपरा वाले वीर रस के कवि हैं और उनकी कविता भारत दर्शन बहुत ही उत्साह एवं दर्शिता से सुनी और सराही गयी। श्री पंकज प्रसून और श्री सौरभ जायसवाल जी ने भी दर्शकों को अपने हास्य व्यंग से बहुत हसाया। दर्शकों ने सभी कवियों की प्रस्तुतियों को खूब सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। संस्थान के निदेशक प्रो. महेश जी ठक्कर एवं राजभाषा अधिकारी डॉ पूनम वर्मा जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर खुशी जताई और कहा, ष्यह कवि सम्मेलन हमारे संस्थान तथा हिंदी पखवाड़ा २०२४ के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन था, जिसने हमें साहित्य और विज्ञान के बीच के अटूट संबंधों को और अधिक गहराई से समझने का अवसर दिया। भविष्य में भी हम इस प्रकार के साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। कवि सम्मेलन में उपस्थित श्रोताओं ने कार्यक्रम की भूरी–भूरी प्रशंसा की और इसे एक यादगार साहित्यिक शाम बताया। कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत सफल रहा, जिसमें काव्य प्रेमियों की भारी भीड़ ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम का आनंद उठाया।

# कैबिनेट मंत्री का घेराव कर ग्रामीणों ने हत्यारोपियों के फाँसी की किया मांग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के संघईपुर गांव में 23 सितम्बर को दिनदहाड़े एक युवक की हत्या में मृतक रोहित चौहान के घर गुरुवार की रात को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान पहुंचे।उन्होंने मृतक के पिता बाबूराम चौहान एडोकेट व उनके परिवार को सांत्वना दिया। हालांकि जब वे परिवार से मिलकर निकलने लगे तब गांव की महिलाओं सहित अन्य ग्रामीणों ने मंत्री की गाड़ी का घेराव कर हत्यारोपियों के फाँसी की मांग किया।दारा सिंह चौहान ने लोगों को आश्वासन दिया कि उचित कानूनी कार्यवाही की जा रही है।कोई लापरवाही नही होगी। हालांकि मंत्री के सामने भारी संख्या में आयी महिलाएं काफी आक्रोशित थी।उस समय मंत्री सहित उनके साथ मौजूद लोग लगातार महिलाओं को समझाते रहे।काफी देर तक महिलाएं नही मान रही थी। लेकिन मंत्री द्वारा काफी देर तक समझाने के बाद महिलाएं मानी।तब जाकर मंत्री वहां से जा सके। ज्ञात हो ऊक्त गांव निवासी रोहित चौहान पुत्र बाबूराम चौहान की गांव के ही आशीष चौहान तथा उसके पिता अरविंद चौहान के ऊपर दिनदहाड़े हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया था। आशीष चौहान को पुलिस ने घटना के कुछ देर बाद सिरकोनी बाजार के तिराहे से गिरफ्तार कर लिया था।उसके पिता को गुरुवार को इजरी तिराहे से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।अभी भी गांव के लोग दोनो के फाँसी की सजा देने की मांग सरकार से कर रहे हैं।

# अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज का हुआ विस्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कन्नौज। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज टीम की वार्षिक मीटिंग का आयोजन मेजर– बी एस तोमर साहब की अध्यक्षता मे सिकंदरपुर स्थिति एक गेस्ट हॉउस किया गया।

जिसमे राजेश सिंह सिसोदिया को सर्व सहमति से लगातार तीसरी बार जिला अध्यक्ष नियुक्त गया। साथ ही साथ पंकज सिंह वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष,शंकर सिंह संगठन मंत्री, विनोद सिंह राठौर ऑडिटर,ब्रजपाल सिंह जिला महामंत्री, आर के कनौजिया कोषाध्यक्ष,अरविन्द कुमार सिंह वरिष्ठ सलाहकार,विकास दुबे जिला मिडिया प्रभारी,मोहम्मद सलीम कोड़िनेटर, शैलेन्द्र सिंह कन्नौज तहसील अध्यक्ष, रावेन्द्र शाक्य छिबरामऊ तहसील अध्यक्ष,अंनतराम वर्मा तिर्वा तहसील अध्यक्ष,धर्मेंद्र सिंह कन्नौज ब्लॉक अध्यक्ष, प्रताप सिंह तालग्राम ब्लॉक अध्यक्ष, ओमकार सिंह हसेरन ब्लॉक अध्यक्ष, कौशल कुमार वर्मा सौरिख ब्लॉक अध्यक्ष, जितेंद्र सिंह बघेल उमर्दा ब्लॉक अध्यक्ष,राम नरायण दीक्षित गुगरापुर ब्लॉक अध्यक्ष, विमलेश दुबे जलालाबाद ब्लॉक अध्यक्ष,मेघनाथ पाल छिबरामऊ ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किये। ब्रह्मानंद तिवारी वरिष्ठ जिला संरक्षक, एस के एस चंदेल जिला संरक्षक, प्रमोद सिंह, शिव नरायन सिंह चौहान, रामेन्द्र सिंह, अमर सिंह, सूर्य प्रताप सिंह आदि लोगो को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। और रमेश चंद्र चतुर्वेदी को नगर अध्यक्ष छिबरामऊ नियुक्त किया गया।

# फायर ब्रिगेड की टीम ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

सुल्तानपुर। जिले के घासीगंज गभडिया चौकी क्षेत्र में फायर कर्मियों ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन।भारी बारिश से जलभराव हो जाने के बाद घर में फंसे शिव रतन यादव(55)पुत्र राम गोपाल यादव, वसीम(40)पुत्र अब्दुल जब्बार, सबरीन बानो (35)पत्नी वसीम, मो मुजीब (12), जैनम (10), अन्या (03)सहित तीन बकरों को सकुशल निकाला। निकलने के बाद पानी में फंसे लोगो ने फायर कर्मियों को धन्यवाद किया ज्ञापित।

# ज्यूडिशियरी गोल्ड ने लखनऊ में अपने नए सेंटर का उद्घाटन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ज्यूडिशियरी गोल्ड ने लखनऊ में अपने नए सेंटर का उद्घाटन किया, विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति नवाबों के शहर लखनऊ में अब भारत का सर्वश्रेष्ठ ज्यूडिशियरी कोचिंग ष्ज्यूडिशियरी गोल्डष ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। इस भव्य उद्घाटन समारोह में हमारे मुख्य अतिथि, श्री प्रदीप गुप्ता, आईपीएस डीआईजी, टेलीकॉम ने अपनी उपस्थिति से हमें गौरवान्वित किया। इस महत्वपूर्ण पहल को श्री आशुतोष श्रीवास्तव और श्री प्रशांत ओझा के नेतृत्व में साकार किया गया है, जिन्होंने लखनऊ में न्यायिक शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का संकल्प लिया है। उनकी समर्पण भावना और विशेषज्ञता निश्चित रूप से क्षेत्र के न्यायिक अभ्यर्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य करेगी। ज्यूडिशियरी गोल्ड, टॉप रैंकर्स एडटेक सॉल्यूशन कंपनी का एक ब्रांड है, जो श्री हर्ष गगरानी और श्री गौरव गोयल के दूरदर्शी नेतृत्व का फल है। लखनऊ में सेंटर की यह स्थापना न्यायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक और मील का पत्थर है, जो देशभर के अभ्यर्थियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस उद्घाटन के साथ, ज्यूडिशियरी गोल्ड लखनऊ में न्यायिक तैयारी का सबसे पसंदीदा स्थान बनने के लिए तैयार है, जो न्यायिक उम्मीदवारों को उनके न्यायिक करियर के सपनों को साकार करने में मदद करेगा।

## छावनी परिषद् अस्पताल में डायलिसिस यूनिट का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जी.एस. राजेश्वरन, महानिदेशक रक्षा संपदा के करकमलों द्वारा किया गया। यह डायलिसिस

यूनिट हंस फाउंडेशन द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (ब्ि) के तहत स्थापित की गई है। इस आधुनिक डायलिसिस यूनिट के उध्द्घाटन से किडनी रोगियों को हीमो डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें इलाज के लिए दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह यूनिट अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है और मरीजों को निशुल्क सेवाएं प्रदान करेगी। उध्द्घाटन के पश्चात, श्री जी.एस. राजेश्वरन ने अस्पताल परिसर में लगे स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्टॉलों का भी दौरा किया, जिनमें वेस्ट टू आर्ट गैलरी, ई–वेस्ट बैंक, प्लास्टिक बैंक, और बैंक डिजिटल साक्षरता स्टॉल प्रमुख रहे। ई–वेस्ट बैंक और प्लास्टिक बैंक का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और पुनर्चक्रण के महत्व पर जोर देना था। इन बैंकों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक कचरे और प्लास्टिक कचरे का सही तरीके से निपटारा करने की जानकारी दी गई। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के अंतर्गत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं की जानकारी दी गई, जो सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए चलाई जा रही है। श्री जी.एस. राजेश्वरन ने इन सभी कार्यक्रम की सराहना की और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अस्पताल प्रशासन और संबंधित विभागों की सराहना भी की।

## होटल-दुकानों के बोर्ड पर भी नाम लिख लें, किया नजरअंदाज तो होगा- कड़ा एक्शन

गोरखपुर, संवाददाता। खाने–पीने की दुकानों पर संचालक और प्रबंधक के नाम लिखने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिले का खाद्य सुरक्षा विभाग भी अलर्ट मोड में आ गया है। बुधवार को उपायुक्त (खाद्य सुरक्षा) और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने टीम के साथ शहर के प्रमुख इलाकों में जाकर होटल संचालकों को नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। अभियान चलाकर इसकी जांच की जाएगी और नियम का पालन न करने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। जिले में होटल, रेस्त्रां, कैंटीन आदि मिलाकर करीब 15 हजार लाइसेंस जारी हुए हैं। शहर में तमाम दुकानें, होटल ऐसे हैं, जिनके बोर्ड पर पहले से भी संचालकों के नाम लिखे हुए हैं। बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन के बीच खाने–पीने की अधिकतर दुकानों पर संचालकों ने अपने नाम लिखवा रखे हैं।शहर के अन्य इलाकों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है। हालांकि, बड़े होटल या रेस्टोरेंट पर इसकी बजाय फर्म का नाम होता है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी हितेंद्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देश का पालन कराया जाएगा, जिनके बोर्ड पर संचालक–प्रबंधक के नाम का उल्लेख नहीं होगा, उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। उपायुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि खाद्य सुरक्षा से संबंधित नियमों से लोगों को अवगत कराया जा रहा है। होटल व रेस्त्रां संचालकों को खास तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि सफाई ठीक रखें, अन्यथा जांच में कार्रवाई की जाएगी।

## बीएससी व एमएससी कृषि सेमेस्टर परीक्षाएं अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर (द्वितीय, चतुर्थ, छठवां सेमेस्टर) व एमाएससी एग्रीकल्चर (द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर) की परीक्षाएं अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया 24 सितंबर से प्रारंभ हो चुकी है, जो पांच अक्टूबर तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह व उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया 24 सितंबर से पांच अक्टूबर के बीच पूरी की जा सकती है। छात्रों से समय पर फार्म भरने का आग्रह किया गया है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

## हादसे के बाद डंपर फूंकने और हाईवे जाम करने में 200 पर एफआईआर

प्रयागराज, संवाददाता। समहन गांव के सामने हाईवे पर हादसे में छात्रा की मौत के बाद डंपर फूंकने, हाईवे जाम करने और पुलिस से धक्कामुक्की करने में पुलिस ने कार्रवाई की है। बृहस्पतिवार को मेजा पुलिस ने दो सौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने उन लोगों को नामजद किया है जिन लोगों का चेहरा हंगामा करने के दौरान कैमरे में कैद हुआ था। मंगलवार दोपहर बेकाबू डंपर ने समहन गांव के सामने हाईवे पर साइकिल से घर जा रही पांच छात्राओं को रौंद दिया था। इसमें समहन गांव की इंटर की छात्रा रिद्धि की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं बलुहा गांव की सिमरन (16) डंपर के नीचे फंस गई थी। तीन अन्य छात्राएं रितु (15) निवासी बलुहा, राधा (16) निवासी टिकुरी और नेहा (15) घायल हो गई थीं। हादसे से आक्रोशित हुए लोगों ने डंपर में तोड़फोड़ करने के साथ आग लगा दी। साथ ही सड़क जाम कर दिया था। इतना ही नहीं समझाने पर पुलिस से भी धक्का–मुक्की भी की गई थी। करीब सवा दो घंटे तक सड़क जाम रही। इससे दौरान संख्या वाहन दोनों तरफ फंसे रहे। मेजा थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने बताया कि सड़क जाम करने, डंपर फूंकने और पुलिस से धक्का–मुक्की करने के आरोप में दो सौ लोगों के खिलाफ बृहस्पतिवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि उन लोगों के नाम एफआईआर में शामिल किए गए हैं जो लोग हंगामा कर रहे थे। कैमरे में कैद लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

गम और गुस्से के बीच रिद्धि का अंतिम संस्कार

गम और गुस्से के बीच बुधवार सुबह रिद्धि के शव का सिरसा के छतवा गंगाघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। बाबा त्रिवेणी प्रसाद मिश्र ने नम आंखों से मुखाग्नि दी। उधर, अंतिम संस्कार में जुटे लोग नो इंट्री के बाद भी डंपर चलने देने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे। रिद्धि मिश्रा (17) मेजा के समहन गांव की रहने वाली थी। उसके पिता जय प्रकाश मिश्रा की मृत्यु तीन साल पहले सड़क हादसे में हो गई थी। वह गांव में ही स्थित जीआईसी में 12वीं की छात्रा थी और सिरसा में कोचिंग पढ़ती थी। मंगलवार दोपहर दो बजे के करीब वह साइकिल से घर लौट रही थी। वह गांव के पास कठौली गांव में स्थित काशी प्रसाद सिंह इंटर कॉलेज में नौवीं कक्षा की चार छात्राएं भी छुट्टी के बाद घर लौट रही थीं। यहां बेकाबू डंपर ने पांचों छात्राओं को चपेट में ले लिया। हादसे में रिद्धि की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सिमरन (16) निवासी बलुहा, डंपर के नीचे फंसी थी। तीन अन्य छात्राएं रितु (15) निवासी बलुहा, राधा (16) टिकुरी, और नेहा (15) घायल अवस्था में पड़ी थीं। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वह घटना से आक्रोशित हो उठे। इसी दौरान डंपर में आग लगा दी गई। रोकने की कोशिश पर एसीपी रवि गुप्ता व मेजा थाने के एक दरोगा से भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने धक्कामुक्की भी की। फायरब्रिगेड पहुंची तो उसे भी रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस के मना करने पर आक्रोशित लोगों ने हाईवे जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। कुछ देर बाद डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव भी आ गए और उन्होंने समझाया, तब जाकर दो घंटे बाद ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल हुआ। इधर, बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद रिद्धि का शव समहन गांव घर लाया गया तो कोहराम मच गया। पुलिस की मौजूदगी में सिरसा के छतवा गंगाघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। गंगाघाट पर एसीपी रवि गुप्ता, मेजा थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय सहित कई थाने की फोर्स मौजूद रही। बाबा त्रिवेणी प्रसाद ने बताया कि रिद्धि शुरू से ही मेधावी छात्रा थी। वह घर पर मां के कामों में भी हाथ बंटाती थी और स्कूल की पढ़ाई भी करती थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इधर, छात्रा की मौत के बाद कई घरों में चूल्हे नहीं जले। ग्रामीण और रिश्तेदार शोक जताने छात्रा के घर पहुंचते रहे।

## पिता ने फांसी लगाने से रोका, बेटे ने ईंट से कूंचकर कर दी हत्या

गोरखपुर, संवाददाता। खुदकुशी से रोकने पर शराबी बेटे ने ईंट से कूंचकर पिता की हत्या कर दी। बुधवार की रात पिपराइच क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार, पिपराइच क्षेत्र के हरखापुर निवासी सत्यप्रकाश तिवारी उर्फ सकरम (45) पहली पत्नी के निधन के बाद दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी भी छोड़कर चली गई। इसके बाद पहली पत्नी से बेटे कन्हैया (18) के साथ रहते थे।

लेकिन बाद में कन्हैया की नशे की आदत से परेशान होकर सत्यप्रकाश मोटेश्वर मंदिर पर रहने लगे।

बुधवार की शाम साढ़े सात बजे नशे की हालत में कन्हैया उनके पास पहुंचा और शादी कराने की जिद करने लगा। सत्यप्रकाश के मना करने पर वह कमरे में गया और खुदकुशी करने के लिए फांसी लगाने की कोशिश की। सत्यप्रकाश ने उसके हाथ से फंदा छीन लिया। इससे कन्हैया भड़क गया और पिता को पीटते हुए नीचे गिरा दिया। इसके बाद उनके सिर को ईंट से कूंचकर घायल कर दिया। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस सत्यप्रकाश को लेकर सीएचसी पहुंची।

वहां से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस आरोपी बेटे की तलाश कर रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## शहर में बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू

गोरखपुर, संवाददाता। नगर निगम क्षेत्र में सिटी बस सेवा के लिए 13 स्थानों पर प्रथम चरण में बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू हो गया है। ई–टेंडर के जरिए चयनित जेटीएन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड फर्म ने सिटी बस सेवा के यात्रियों को धूप और बारिश में राहत दिलाने के लिए बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू कर दिया है। शेल्टर में यात्रियों के बैठने के इंतजाम के साथ डिजिटल इंफॉर्मेशन बोर्ड पर बस के आगमन एवं प्रस्थान संबंधी जानकारी भी मिलेगी। महानगर की सड़कों पर 8 रुट पर 27 सिटी बसें सेवाएं दे रही है। औसतन आठ से दस हजार यात्री प्रतिदिन इन सिटी बसों में यात्रा करते हैं। नगर निगम को इन बस क्यू शेल्टर के निर्माण से 06.43 लाख रुपये प्रीमियम और फर्म को मिलने वाले विज्ञापन के हिसाब से प्रति वर्ग फीट शुल्क लिया जाएगा। चयनित फर्म स्वयं के खर्चे पर नगर निगम की ओर से बताई गई डिजाइन और गुणवत्ता पर क्यू शेल्टर का निर्माण कर रही है। इन्हें एल्युमिनियम एवं अन्य मेटेल से बनाया जा रहा है। फर्म बस क्यू शेल्टर पर नगर निगम के निर्धारित नियमों का अनुपालन करते हुए विज्ञापन प्रदर्शित कर सकेगी। साफ–सफाई का भी ध्यान रखेगी।

यहां बनेंगे बस क्यू शेल्टर

महुआतर, बरगदवा तिराहा, गोरखनाथ अस्पताल, धर्मशाला चौराहा, छात्रसंघ चौराहा, काली मंदिर चौक, एम्स के पास, एयरपोर्ट, झुंगिया गेट, शास्त्री चौक, एमएमएमयूटी गेट, ट्रांसपोर्टनगर चौराहा, नौसढ़ चौराहे पर बस क्यू शेल्टर बनाए जा रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर काम शुरू हो गया है। काली मंदिर चौक के पास बने बस क्यू शेल्टर से सटे जलपान की दो दुकानें भी संचालित होने लगी हैं। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि बस की प्रतिक्षा में महिलाएं और बुजुर्ग यहां बैठ सकेंगे। प्रथम चरण में पीपीपी मोड पर 13 स्थानों पर बस क्यू शेल्टर का निर्माण शुरू है। इन बस क्यू शेल्टर्स पर प्रदर्शित विज्ञापन से भी निगम की आय होगी।'

## महाकुंभ के कार्यों की धीमी गति पर प्रमुख सचिव नाराज

प्रयागराज, संवाददाता। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने महाकुंभ के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अफसरों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। मेला प्राधिकरण की ओर से ऐसे अफसरों और एजेंसियों की एक–दो दिन में सूची तैयार कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की भी संस्तुति की जाएगी। महाकुंभ–2025 के मद्देनजर हो रहे 384 निर्माण कार्यों में से 54 का 25 फीसदी भी काम पूरा नहीं हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा काम प्रयागराज विकास प्राधिकरण, सिंचाई एवं लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के हैं। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने सभी संस्थाओं को 10 नवंबर तक काम पूरा करने की हिदायत दी है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में महाकुंभ अपेक्स कमेटी की बैठक चार अक्तूबर को होगी। इससे पहले प्रमुख सचिव नगर विकास ने दो दिवसीय प्रयागराज प्रवास के दौरान महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण और समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने मंगलवार की रात पीडीए की ओर से बनाई जा रहीं सड़कों का निरीक्षण किया था। उस समय ही पीडीए व लोक निर्माण एवं सिंचाई विभाग, नगर निगम के कार्यों में देरी की बात सामने आई थी। बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव का पिछड़े कार्यों पर ज्यादा ध्यान रहा। बारिश और बाढ़ की वजह से सिंचाई विभाग के पक्के घाटों का निर्माण, रिवर फ्रंट कॉरिडोर आदि काम पिछड़ गए हैं। इस पर प्रमुख सचिव ने चिंता जताई और पानी निकलते ही मैन पावर व संसाधन बढ़ाकर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि पीडीए की ओर से बनाई जा रहीं 15 सड़कों का काम अभी 25 फीसदी भी पूरा नहीं हुआ है।

इसके अलावा प्राधिकरण के नौ कार्य 50 फीसदी भी पूरे नहीं हुए हैं। इसी तरह से लोक निर्माण विभाग की 13 सड़कों का काम अभी 25 प्रतिशत भी नहीं हुआ है। छह कार्य ऐसे हैं जिसका 50 फीसदी से कम काम हुआ है। वहीं, सीएंडडीएस के नौ काम 25 फीसदी पूरे नहीं हुए हैं। मेलाधिकारी ने बताया कि अलग–अलग विभागों के कुल 54 कार्य 25 फीसदी भी पूरे नहीं हुए हैं। इनके अलावा 41 निर्माण कार्य ऐसे हैं जिनकी प्रगति 50 प्रतिशत से कम है। प्रमुख सचिव ने संबंधित विभागों के अफसरों तथा कार्यदायी संस्थाओं को 10 नवंबर तक काम पूरे कर लेने की हिदायत दी। इसके लिए संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने काम में शिथिलता बरते जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इसी के साथ प्रमुख सचिव ने मंडलायुक्त और मेलाधिकारी को काम में शिथिलता बरतने वाले अफसरों तथा संस्थाओं की सूची तैयार कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि पीडीए, लोक निर्माण, सिंचाई, नगर निगम के काम ज्यादा पीछे चल रहे हैं। एक–दो दिनों में इसकी रिपोर्ट तैयार कर ली जाएगी। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की भी संस्तुति की जाएगी। प्रमुख सचिव ने विभागों को समय के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले 40 से 45 दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं। 15 अक्तूबर तक काम पूरे कर लिए जाएं। कुछ पिछड़े कार्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने 31 अक्तूबर तक का समय दिया। वहीं, पीडीए और लोक निर्माण विभाग के अफसरों को 10 नवंबर तक काम पूरा करने के लिए कहा। प्रमुख सचिव ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन, मेला क्षेत्र में बसावट आदि बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की और जरूरी निर्देश दिए। मीडिया संग वार्ता में प्रमुख सचिव ने कहा कि बारिश और बाढ़ की वजह से काम पीछे होते गए। इसके अलावा 34 विभाग एक साथ काम कर रहे हैं। इनके बीच समन्वय बनाकर काम कराने की भी चुनौती रही। इसकी वजह से कुछ काम पिछड़ गए हैं लेकिन 10 नवंबर तक सभी काम पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। नवंबर में 10 दिन इसलिए दिए गए हैं, ताकि जल्दबाजी में काम की गुणवत्ता न प्रभावित हो। प्रमुख सचिव ने नगर निकायों तथा जल निगम के कार्यों की भी अलग से बैठक की तथा जरूरी निर्देश दिए।

## जूनियर डाक्टरों ने फिर तीमारदारों को पीटा–डाक्टर को भी लगी चोट

गोरखपुर, संवाददाता। बीआरडी मेडिकल कालेज के जूनियर डॉक्टरों पर फिर तीमारदारों से मारपीट का आरोप लगा है। मामला मंगलवार देर रात का है। एक घटना ट्रॉमा सेंटर तो दूसरी मेडिसिन वार्ड की है। मारपीट में एक तीमारदार की नाक फूट गई, जबकि एक जूनियर डॉक्टर को भी चोट लगी है। पीड़ित तीमारदारों ने मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम चौरी चौरा थाना क्षेत्र के सरदार नगर का रहने वाला एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। रात करीब 11 बजे उसे बीआरडी मेडिकल कालेज के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। वहां मौजूद अंबु बैग जूनियर डॉक्टरों ने मरीज को लगा दिया और तीमारदार को नया अंबु बैग खरीद कर लाने को कहा। तीमारदार ने रुपये नहीं होने की बात कहते हुए उसी अंबु बैग से काम चलाने की बात कही। आरोप है कि इस पर ट्रॉमा सेंटर में मौजूद जूनियर डाक्टर नाराज हो गए और तीमारदार को पीट दिया। इससे करीब आधे घंटे तक ट्रामा सेंटर में अफरातफरी का माहौल रहा। कुछ देर बाद मरीज ने दम तोड़ दिया। दूसरी तरफ, गोला थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाले व्यक्ति को सर्जरी विभाग से

मेडिसिन वार्ड में शिफ्ट किया गया, जहां कुछ देर बात उसकी मौत हो गई। मृत घोषित करने के लिए जूनियर डाक्टर ईसीजी कराने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहते थे। इसका तीमारदारों ने विरोध किया। बात बढ़ गई और तीमारदार और जूनियर डाक्टरों में हाथापाई हो गई। इस झगड़े में एक तीमारदार की नाक फूट गई,जबकि जूनियर डॉक्टर को भी चोट आई। इस संबंध में सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह का कहना है कि यह मामला संज्ञान में नहीं है।

## संक्षिप्त खबरें

### दीक्षांत में 42 साल में पहली बार आठ छात्राओं को मिले 23 गोल्ड मेडल

वाराणसी, संवाददाता। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का 42वां दीक्षांत समारोह राज्यपाल की घोषणा के साथ शुरू हुआ। कुल 13,733 उपाधियां डिजीलॉकर पर अपलोड हो गईं। इस दौरान गेस्ट हाउस का शिलान्यास किया गया। कुलपति ने अपना स्वागत भाषण संस्कृत भाषा में दिया। कहा कि जल्द ही यहां शिक्षा शास्त्र विभाग की बिल्डिंग का निर्माण होगा। वहीं दीक्षांत के मंच संचालन से लेकर विभागाध्यक्षों का परिचय भी संस्कृत में ही हुआ। 17 विभागों के अध्यक्षों और छह डीन ने संस्कृत में पोडियम पर अपने अंडर में पीएचडी करने वालों को उपाधि देने के लिए स्नातकों का उपस्थापन (प्रजेंटेशन) किया। राज्यपाल और विश्विद्यालय की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने दीक्षांत स्थल ऐतिहासिक मुख्य भवन में दक्षिणी द्वार से प्रवेश किया। दीक्षांत परिधान गले में डालकर राज्यपाल और दीक्षांत समारोह की शिष्ट यात्रा मंच तक पहुंची। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में 13733 छात्र और छात्राओं को शास्त्री, आचार्य और पीएचडी की उपाधियां दी गईं। इसके साथ ही 31 मेधावियों को 56 मेडल दिए गए। जिसमें 54 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहा। कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय आधुनिक तौर तरीके से शास्त्रों और वेदों की शिक्षा दे रहा है। यहां शोधार्थी हजारों साल प्राचीन ग्रंथों पर भी रिसर्च कर रहे हैं।

गुल्ली डंडा भी हुआ शुरू

उन्होंने कहा कि भारत के पारंपरिक खेल गुल्ली डंडा, कबड्डी, खोखो भी कराए जा रहे। इसकी पॉपुलैरिटी काफी है।

### भाजपा पार्षद के भतीजे ने सफाईकर्मी को पीटा

प्रयागराज, संवाददाता। प्रयागराज नगर निगम की भाजपा पार्षद सुनीता चोपड़ा के भतीजे सनी चोपड़ा ने सफाई कर्मचारी की जमकर पिटाई कर दी। यही नहीं उसने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी होते ही सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को काम ठप करने के बाद कोतवाली का घेराव कर दिया। बड़ी संख्या में जुटे सफाई कर्मचारियों ने कोतवाली के सामने पुलिस और पार्षद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब तीन घंटे से हंगामा चल रहा है। भाजपा पार्षद भी मौके पर पहुंच गईं और उन्होंने समझौते का प्रयास किया, लेकिन सफाई कर्मचारी मानने के लिए तैयार नहीं हुए। वह आरोपी सनी चोपड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं। पार्षद सुनीता चोपड़ा का कहना है कि घटना रात की है। मनोज और विनोद नाम के दो सफाई कर्मियों ने भतीजे के साथ अभद्रता की और हाथापाई का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया था। वह समझौते का प्रयास कर रही हैं। उधर, कर्मचारी नेताओं का कहना है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे। भाजपा पार्षद के भतीजे पर जब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती है वह अपना आंदोलन और प्रदर्शन जारी रखेंगे और थाने के सामने से नहीं हटेंगे।

### बिड़ला हास्टल से एलबीएस हास्टल में जाने पर लगा प्रतिबंध

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू में रैंगिंग के आरोपों के चलते एलबीएस हॉस्टल में बिड़ला श्एश हॉस्टल के छात्रों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एलबीएस हॉस्टल के वार्डेन ने एक नोटिस जारी किया। इसमें बताया कि यदि बिड़ला श्एश का कोई छात्र हॉस्टल कैंपस में पाया गया तो उस पर कार्यवाही करने के लिए उच्चाधिकारियों से अनुशंसा की जाएगी। साथ ही एलबीएस हॉस्टल के छात्रों से कहा कि यदि किसी के कमरे में दिन हो या रात उस हॉस्टल का छात्र दिखाई पड़ता है तो उन पर भी एक्शन होगा।

छात्र बोले टूट जाएगी सीनियर जूनियर की परंपरा

बीएचयू बिड़ला ए में रहने वाले छात्रों ने इसे तुगलकी फरमान बताया है। कहा कि उन पर झूठा आरोप लगाकर कार्यवाही की जा रही है। इससे सीनियर–जूनियर की परंपरा टूट जाएगी।

नोटिस में लिखा– छात्र को बंधक बनाया गया

नोटिस में लिखा है कि 24 सितंबर को बिड़ला ए के छात्रों ने एलबीएस के कमरों के दरवाजे खुलवाए गए। उन्हें बहला–फुसलाकर बिड़ला श्एश में ले जाकर बंधक बनाया गया। उनकी दो घंटे तक रैंगिंग की आशंका भी जताई।

### वाराणसी में डकैती का आरोपी दरोगा गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में सराफा व्यवसायी के दो कर्मचारियों से 42 लाख 50 हजार रुपये की डकैती के मामले में जमानत पर रिहा हुए दरोगा सूर्य प्रकाश पांडेय को आदमपुर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरोगा और डकैती में शामिल उसके पांच अन्य सहयोगियों पर बुधवार को रामनगर थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी क्रम में उसे गिरफ्तार कर आदमपुर थाने की पुलिस अदालत में पेश करने के लिए ले गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली थी जमानत

डकैती के आरोपी दरोगा सूर्य प्रकाश पांडेय को इलाहाबाद हाईकोर्ट से 12 सितंबर को जमानत मिली थी। उसे जिला जेल से इसी दिन रिहा कर दिया गया था। बता दें कि आभूषण कारोबारी जयपाल कुमार के दो कर्मचारियों को बस से उतार कर गत 22 जून की रात 42 लाख 50 हजार रुपये लूट लिया गया था। घटना के संबंध में रामनगर थाने में 13 जुलाई को मुकदमा दर्ज किया गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।